ॐ

सहजप्रकाश

सहजोबाईकृत.

जिसमें

जिज्ञासुओंके हितार्थ अनेक शब्द राग रागिनियोंमें वर्णित हैं।

वही

खेमराज श्रीकृष्णदासने

मुम्बई

निज "श्रीवेङ्कटेश्वर" स्टीम् प्रेसमें

मुद्रितकर प्रसिद्ध किया.

संवत् १९७९, शक १८४४.